सांध्य दैनिक
4PM

मैंने सीखा है कि जिंदगी में दोनों हाथों में पकड़ने वाले दस्ताने डालकर आगे नहीं बढ़ना चाहिए। आप कुछ वापस देने में सक्षम होने चाहिए।
-माया एंजिलो

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 243 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 13 अक्टूबर, 2022

पंजाब की जनता... 2 | निकाय चुनावः अब जमीन पर सियासी... 3 | कांग्रेस में पूर्ण परिवर्तन मेरा एजेंडा... 7

हिजाब प्रतिबंध मामला

जजों में मतभेद, अब सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच करेगी सुनवाई

» फैसला आने तक लागू रहेगा कर्नाटक हाईकोर्ट का आदेश, सीजेआई को भेजा गया मामला

» दो न्यायाधीशों की नहीं हुई एकराय, जस्टिस गुप्ता ने खारिज की याचिकाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध को बरकरार रखने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के दोनों जजों की राय अलग-अलग होने के कारण अब इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच करेगी।

हिजाब प्रतिबंध को लेकर हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं पर कई दिनों तक सुनवाई चलने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया गया था। आज जहां जस्टिस हेमंत गुप्ता ने इस मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को सही मानते हुए प्रतिबंध के खिलाफ अपील को खारिज कर दिया वहीं दूसरे जज सुधांशु धूलिया ने इससे उलट राय जाहिर की है और कर्नाटक हाईकोर्ट के प्रतिबंध जारी रखने के आदेश को रद्द कर दिया। चूंकि इस मामले में जजों की एकराय नहीं बन पाई इसलिए केस को आगे चीफ जस्टिस के पास भेजा गया है। लिहाजा अब इस मामले की सुनवाई बड़ी बेंच करेगी। बड़ी बेंच को भेजने के लिए 11 सवाल तय किए गए हैं। वहीं जब तक फैसला नहीं आ जाता तब तक कर्नाटक हाईकोर्ट का आदेश जारी रहेगा यानी शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध लागू रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की थी।

यह पसंद का मामला : जस्टिस धूलिया

जस्टिस सुधांशु धूलिया ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को गलत बताया। उन्होंने कहा कि हिजाब पहनना या न पहनना, ये पसंद का मामला है। लड़कियों की शिक्षा बहुत जरूरी है। धार्मिक प्रथाओं का मुद्दा विवाद के समाधान के लिए जरूरी नहीं था। ये अनुच्छेद 15 के बारे में था, ये पसंद की बात थी, इससे ज्यादा और कुछ नहीं। उनके दिमाग में सबसे अहम सवाल लड़कियों की शिक्षा है।

क्या है विवाद

कर्नाटक में हिजाब विवाद जनवरी में उडुपी के एक सरकारी कॉलेज से शुरू हुआ था, जहां मुस्लिम लड़कियों को हिजाब पहनकर आने से रोका गया था। स्कूल प्रबंधन ने इसे ड्रेस कोड के खिलाफ बताया था। इसके बाद अन्य शहरों में विवाद फैल गया। मामला कर्नाटक हाईकोर्ट पहुंचा। हाईकोर्ट ने 14 मार्च को हिजाब विवाद पर फैसला सुनाया था, जिसमें कहा था कि हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। छात्र स्कूल या कॉलेज की निर्धारिक ड्रेस कोड पहनने से इनकार नहीं कर सकते हैं। इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में तमाम याचिकाएं दाखिल की गयीं। याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट राजीव धवन, दुष्यंत दवे, संजय हेगड़े, कपिल सिब्बल सहित कई वकीलों ने अपना पक्ष रखा है।

हाईकोर्ट के फैसले से सहमत : जस्टिस गुप्ता

जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर सभी 26 याचिकाओं को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरी राय अलग है। मैंने अपने आदेश में 11 सवाल तैयार किए हैं। पहला यह कि क्या इस अपील को संविधान बेंच के पास भेजा जाना चाहिए? उन्होंने कहा कि क्या कॉलेज मैनेजमेंट छात्रों के यूनिफॉर्म पर या हिजाब पहनने को लेकर कोई फैसला कर सकता है? क्या सरकारी आदेश शिक्षा तक पहुंच के उद्देश्य को पूरा करता है? मेरे हिसाब से जवाब अपीलकर्ता के खिलाफ है।

मामला संविधान पीठ के पास भेजने का किया गया था अनुरोध

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकीलों ने जोर देकर कहा था कि मुस्लिम लड़कियों को कक्षाओं में हिजाब पहनने से रोकने से उनकी पढ़ाई खतरे में पड़ जाएगी क्योंकि उन्हें कक्षाओं में जाने से रोका जा सकता है। कुछ वकीलों ने इस मामले को पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भेजने की भी गुजारिश की थी। वहीं, राज्य सरकार की ओर से पेश वकीलों ने कहा था कि हिजाब को लेकर विवाद खड़ा करने वाला कर्नाटक सरकार का फैसला 'धार्मिक रूप से तटस्थ' था।

कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की तैयारियां तेज, बनेंगे 36 पोलिंग स्टेशन

» 17 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए होंगे चुनाव, गुप्त होगा मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए तैयारी तेज हो गयी है। 17 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 36 पोलिंग स्टेशन और 67 बूथ बनाए जाएंगे।

सभी राज्यों में बूथ बनाए जाएंगे। अध्यक्ष पद के लिए मुख्य मुकाबला शशि थरूर और मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच है। मधुसूदन मिस्त्री ने कहा, एआईसीसी मुख्यालय में भी एक बूथ होगा, खासकर सभी वरिष्ठ नेताओं, कार्य समिति के सदस्यों और उन सभी लोगों के लिए जिनके पहचान पत्र अलग राज्य से हैं लेकिन वे दिल्ली में रह रहे हैं। राहुल गांधी और भारत जोड़ो यात्रा में शामिल लोगों के लिए एक कैंप बूथ बनाया जाएगा। हर राज्य की राजधानी में चुनाव गुप्त मतदान से होगा। सभी बैलट बॉक्स एआईसीसी मुख्यालय लाए जाएंगे और 19 को मतगणना होगी और परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

विपक्ष पर बरसे पीएम, कहा, पहले सुविधाएं वहां दी जाती थीं जहां मिलता था ज्यादा सियासी लाभ

» तब दिल्ली में बैठी सरकार ने लोगों की आंखों में झोंकी थी धूल, नहीं किया काम

» हिमाचल के ऊना में वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज हिमाचल के ऊना रेलवे स्टेशन से वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद बल्क ड्रग फार्मा पार्क का शिलान्यास और ट्रिपल आईटी का ऑनलाइन लोकार्पण किया। इस दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें सुविधाएं वहां देती थीं जहां मेहनत कम लगती थी और राजनीतिक लाभ ज्यादा मिलता था। आज का नया भारत, पुरानी सारी चुनौतियों पर तेजी से काम कर रहा है। जो सुविधाएं पिछली शताब्दी में लोगों तक पहुंच जानी चाहिए थीं, वे अब लोगों तक पहुंच रही हैं।

उन्होंने कहा कि 40 साल पहले, एक छोटी सी रेल लाइन पर दिल्ली में बैठी हुई सरकार ने मुहर लगा दी, फाइल बना दी और हस्ताक्षर कर दिए। चुनाव आने पर लोगों की आंखों में धूल झोंक कर वोट भी बटोर लिए, लेकिन जमीन पर एक रत्ती भर भी काम नहीं हुआ। ऊना में देश के दूसरे बल्क ड्रग पार्क का काम शुरू हुआ है। इससे बड़ी सौगात क्या हो सकती है। देश में चौथी वंदे भारत ट्रेन हिमाचल को मिली है।

बाढ़ से बर्बाद फसल का देंगे मुआवजा : सीएम योगी

» बाढ़ में फंसे लोगों को दी जा रही है राहत

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई जिलों में हवाई सर्वे कर बाढ़ का जायजा लिया। उतरौला रोड पर मझौवा गांव के पास हेलीकाप्टर उतारकर बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री किट वितरित किया। सीएम ने प्रभावितों को किट देने से पहले संबोधन में कहा कि अक्टूबर में बाढ़ कभी नहीं आई। इस बार विजयदशमी के बाद बाढ़ और अधिक बारिश से जिले को प्रभावित किया है। सीएम ने कहा, किसानों की फसलों के नुकसान का आकलन कराया जा रहा है। सर्वे का निर्देश दिया है। मंत्री समूहों को जिलों में भेजा जा रहा है।

बाढ़ प्रभावित जिलों का स्वयं दौरा कर रहे हैं। कहा कि हर तरह के नुकसान का आंकलन कर मुआवजा दिया जाएगा। बाढ़ में फंसे लोगों तक राहत सामग्री, लंच पैकेट व शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाए। संक्रामक रोगों को रोकने के लिए मेडिकल किट बांटी जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अक्टूबर माह में अचानक आई दैवीय आपदा ने भारी नुकसान पहुंचाया है। जिले के करीब 300 से अधिक गांवों की साढ़े तीन लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित है। इनको

सभी तरह की राहत सामग्री तत्काल पहुंचाई जाए। जनहानि होने पर पीड़ित परिजनों को चार लाख का मुआवजा दिया जाए। सांप-बिच्छू तथा जंगली जानवर के काटने पर लोगों को सरकारी सहायता दी जाए। कुत्ता व बंदर काटने वालों को तत्काल एआरबी लगाई जाए। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही न की जाए। बाढ़ में फंसे लोगों तक राहत सामग्री, लंच पैकेट व शुद्ध पेयजल युद्ध स्तर पर पहुंचाया जाए। उन्होंने मौके पर मौजूद 200 बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री वितरित की। पंडाल में पीछे तक जाकर उन्होंने छोटे बच्चों को पुचकारा।

बच्चों को जेवर एयरपोर्ट पर मिलेगी नौकरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ कर दिया है कि जिन विस्थापित किसानों के बच्चे एयरक्राफ्ट मेंटिनेंस का डिप्लोमा प्राप्त कर लेंगे, उन्हें जेवर हवाईअड्डे पर ही नौकरी मिल सकेगी। यही नहीं, परियोजना के लिए जमीन दे रहे किसान जहां चाहेंगे, उन्हें वहां विकास कराकर बसाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे चरण में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने कहा कि जेवर के किसान खुशहाल रहें, हमारा यही प्रयास है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वहां धार्मिक स्थल, स्कूल, कालेज, खेल का मैदान, ओपन जिम, बाजार की व्यवस्था हो। इससे वहां के लोग अपने सपनों को साकार कर सकेंगे और विकास की परियोजनाओं में बढ़-चढ़कर सहयोग करेंगे। साथ ही अगर एक परिवार में दो, तीन, चार या उससे अधिक भाई हों तो उन्हें एक ही जगह बसाया जाए। सीएम योगी ने कहा कि जेवर के बच्चों को रोजगार मिले, इसके लिए वहां कौशल विकास केंद्र स्थापित किया जाए।

गलत छत्ते में हाथ डाल दिया, पंजाब की जनता सिखाएगी सबक : कुमार

» कुमार विश्वास ने अरविंद केजरीवाल पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और प्रख्यात कवि कुमार विश्वास ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का बिना नाम लिए उन पर निशाना साधा है। पंजाब में हुई एफआईआर निरस्त करने के हाईकोर्ट के निर्णय पर कोर्ट का आभार जताया। साथ ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को चेताया। उन्होंने कहा कि भगवंत मान को तय करना है कि पंजाब वो चलाएंगे या दिल्ली में बैठा एक आदमी या उसके दलाल और चिंटू चलाएंगे।

कुमार विश्वास ने आगरा में आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर सीधा निशाना साधा। पंजाब में धार्मिक भावना आहत करने के मामले में उन पर और भाजपा नेता तजिंदर सिंह पर दर्ज हो गई थी। बाद में हाईकोर्ट के आदेश पर एफआईआर निरस्त कर दिया था। इस पर उन्होंने कोर्ट का आभार जताया। उन्होंने कहा हाईकोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि ये मिसयूज का है। अभिव्यक्ति की आजादी को इस तरह एफआईआर से दबा नहीं सकते हैं। कुमार ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को चेताया। कहा, भगवंत मान मेरा छोटा भाई है। उन्हें मैं ही पार्टी में लाया था। दो बार वो दिल्ली के इसी आत्ममुग्ध, कुंठित बौने के दलालों से परेशान होकर इस्तीफा देने घर आए थे।

मोहन भागवत ने किए मां विंध्यवासिनी के दर्शन

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत विंध्याचल पहुंचे। विधि विधान से मां विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन किया। इससे पहले देवरहा हंस बाबा आश्रम में पूजन एवं हवन कार्यक्रम में शामिल हुए। आश्रम स्थित हनुमान मंदिर में शुद्ध घी का मगदल (बेसन का लड्डू) का भोग लगाया गया। हनुमान मंदिर में पूजा करने के बाद मोहन भागवत कुछ समय के विश्राम के बाद पुनः देवरहा हंस बाबा से मिलने उनकी कुटिया में पहुंचे।

उन्होंने हंस बाबा के चरण अपने सिर पर लेकर आशीर्वाद लिया। नगर विधायक को छोड़कर इस कार्यक्रम से भाजपा नेता भी दूर ही रहे। भागवत के आगमन को लेकर पूरा परिसर छावनी में तब्दील रहा। जिस मंदिर में पूजा पाठ हो रहा था, वहां पर आम श्रद्धालुओं का प्रवेश निषेध था। सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई थी। देवराहा हंस बाबा ने संघ प्रमुख को तकरीबन दो घंटे तक उपदेश दिया। कहा कि वे गोसेवा करें। गाय में सभी देवी-देवता व ऋषियों का निवास होता है। देवरहा हंस बाबा ने कहा कि वे अखंड भारत के निर्माण के लिए कार्य करें। एक समय था कि भारत देश का विस्तार अफगानिस्तान से लेकर बर्मा व चीन की सीमाओं तक था।

मुश्किल में योगी सरकार के मत्स्य पालन मंत्री

» हत्या के मामले में डॉ. संजय निषाद के विरुद्ध आरोप तय

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। निषादों को अनुसूचित जाति का आरक्षण दिलाने की मांग को लेकर आंदोलन के दौरान कसरवल में एक व्यक्ति की मौत के मामले में योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के विरुद्ध कोर्ट में आरोप तय हो गया है। मुकदमे की सुनवाई विशेष न्यायाधीश एमपी एमएलए कोर्ट नम्रता अग्रवाल कर रही हैं। गोरखपुर में कोर्ट में मंत्री व निषाद पार्टी के अध्यक्ष ने आरोपों से इंकार करते हुए विचारण की मांग किया।

कोर्ट ने अभियोजन पक्ष को साक्ष्य प्रस्तुत करने का आदेश दिया। सात जून 2015 को सुबह 11:20 बजे के लगभग डॉ. संजय निषाद अपने समर्थकों के साथ निषाद आरक्षण की मांग को लेकर सहजनवां क्षेत्र में मगहर सहजनवां के मध्य रेल लाइन पर

धरना प्रदर्शन किया था, जिससे रेल आवागमन बाधित हो गया। भीड़ जब उग्र हो गई तो पथराव और फायरिंग हुई, जिसमें कई लोग घायल हुए और एक की मौत हो गई। पुलिस ने डॉ. संजय निषाद सहित कई अन्य लोगों को अभियुक्त बनाकर आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने बुधवार को आरोप तय किया। सूबे के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद एसीजेएम प्रभाष त्रिपाठी की कोर्ट में पेश हुए। कोर्ट में उनके विरुद्ध आरोप विरचित किया गया।

आजम खां को राहत

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खां के खिलाफ फिरोजाबाद की अदालत में चल रहे आपराधिक केस की कार्यवाही पर लगी रोक बढ़ा दी है। साथ ही विशेष सचिव की रिपोर्ट के साथ राज्य सरकार से जवाबी हलफनामा मांगा है। याचिका की अगली सुनवाई 30 नवंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने मोहम्मद आजम खां की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। सार्वजनिक सभा में आजम खां के खिलाफ सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाला आपत्तिजनक भाषण देने के आरोप में एसडीएम ने रसूलपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। जिस मामले में आपराधिक केस चल रहा है।

बीएसपी के पूर्व सांसद डंपी को राहत

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बहुजन समाज पार्टी से पूर्व सांसद रहे अकबर अहमद डंपी की अग्रिम जमानत की याचिका की मंजूर कर उन्हें बड़ी राहत दी है। वर्ष 1998 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान रमाकांत यादव व याची अकबर अहमद डंपी के बीच झगड़ा हो गया था और उसमें गोली भी चली थी। हालांकि फायरिंग में किसी को गोली नहीं लगी थी। इसी मामले में दर्ज केस को लेकर याची के खिलाफ वारंट जारी हुआ था। जारी वारंट के खिलाफ आजमगढ़ की एमपीएमएलए कोर्ट ने याची पूर्व सांसद को कोई राहत नहीं दी थी।

ताज का नाम तेजोमहालय रखे जाने का प्रस्ताव निरस्त

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आगरा नगर निगम के अधिवेशन में पार्षद शोभाराम राठौर ने ताजमहल का नाम बदलकर तेजोमहालय करने का प्रस्ताव रखा तो विपक्षी पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया। लगभग आधा घंटा भारी हंगामा और खींचतान के बाद प्रस्ताव निरस्त हो गया। सदन की बैठक में राठौर ने कहा कि ताजमहल वस्तुतः शिव मंदिर है। इतिहासकार पीएन ओक और पीटर मुंडी की किताबों के उद्धरण देकर उन्होंने ताजमहल के मेशन मार्क के बारे में बताया। कहा कि ताजमहल का इतिहास गलत बताया जा रहा है। इसे सही करने की जरूरत है। चूंकि यह आगरा की विरासत से जुड़ा मुद्दा है। विपक्षी पार्षदों ने इसे शहर की छवि धूमिल करने वाला प्रस्ताव बताकर विरोध किया। कहा कि इससे दुनियाभर में भारत की छवि पर असर पड़ता है। ताजमहल को विवादों में नहीं घसीटा जाए। भाजपा के अन्य पार्षदों ने राठौर का समर्थन किया। इसे लेकर दोनों पक्षों में तकरार के बाद खींचतान और अभद्र भाषा का प्रयोग शुरू हो गया। इस पर महापौर को हस्तक्षेप करना पड़ा।

निकाय चुनाव: अब जमीन पर सियासी चक्रव्यूह सजाने में जुटी भाजपा, सभी सीटों पर नजर

» सभी वार्डों में नियुक्त किए जाएंगे प्रभारी, वरिष्ठ नेताओं को दी गयीं अहम जिम्मेदारियां

» प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने संभाली कमान रणनीति को अमलीजामा पहनाने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा ने निकाय चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कमान संभाल ली है और रणनीति को अमलीजामा पहनाने की कोशिश में जुट गए हैं। भाजपा ने विपक्ष के लिए जमीन पर सियासी चक्रव्यूह तैयार करने के लिए एक ओर वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारियां सौंपी हैं वहीं वार्ड स्तर पर भी प्रभारियों के नियुक्ति का खाका तैयार कर लिया है।

नगर निकाय चुनाव में सभी सीटों पर जीत का लक्ष्य तय कर भाजपा ने प्रदेश स्तर पर रणनीति तय कर ली है। क्षेत्रीय परिस्थितियों का आकलन करते हुए चुनावी मैदान सजाने के लिए 14 से 17 अक्टूबर तक निकाय और वार्ड स्तर पर बैठकें होंगी। इसके बाद जल्द ही सभी वार्डों में प्रभारी भी नियुक्त कर दिए जाएंगे। भाजपा ने नगर निकाय चुनाव में सभी सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए प्रदेश सरकार के मंत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को निकायों का प्रभारी और सहप्रभारी बनाया गया है जबकि स्थानीय वरिष्ठ पदाधिकारियों को चुनाव संयोजन का जिम्मा सौंपा गया है। पिछले दिनों इन सभी के साथ प्रदेश मुख्यालय में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह सहित उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक ने बैठक की। उन्हें चुनावी रणनीति समझाने के साथ ही आगामी कार्यक्रम और गतिविधियों की रूपरेखा समझाई गयी। प्रदेश नेतृत्व ने तय किया है कि निकाय स्तर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठकें होंगी। इसके बाद वार्ड स्तर पर बैठकें प्रस्तावित की गई हैं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इन बैठकों से पहले क्षेत्र के निष्क्रिय पुराने कार्यकर्ताओं को सूचीबद्ध कर लिया जाएगा। वरिष्ठ नेता उनसे संवाद कर इन बैठकों के बाद उन्हें चुनावी अभियान में सक्रिय कर सकते हैं। इसके साथ ही स्थानीय कार्यकर्ताओं से फीडबैक के आधार पर ही वार्डों के प्रभारी भी घोषित किए जाएंगे। यह जमीनी मोर्चा तैयार होने के साथ ही पार्टी प्रत्येक सीट पर जीत के लिए जमीनी रणनीति पर काम तेज कर देगी।

इनको भी जिम्मेदारी

अवध क्षेत्र के 12 जिलों की 34 नगर पालिका परिषदों में भी भाजपा ने एक कैबिनेट और तीन राज्यमंत्रियों को तैनात किया है। बाराबंकी की नवाबगंज नगर पालिका परिषद में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, बहराइच में राज्यमंत्री राकेश राठौर गुरु, उन्नाव में राज्यमंत्री रजनी तिवारी और अंबेडकरनगर की अकबरपुर नगर पालिका परिषद में राज्यमंत्री सतीश शर्मा को प्रभारी बनाया है। वहीं, पश्चिमी यूपी में बुलंदशहर में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप, मुजफ्फर नगर में राज्यमंत्री ब्रजेश सिंह, बिजनौर में राज्यमंत्री दिनेश खटीक, अमरोहा में दानिश आजाद, गाजियाबाद की लोनी नगर पालिका परिषद में राज्यमंत्री सोमेंद्र तोमर को प्रभारी बनाया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग तैयारियों में जुटा

2017 में 652 नगरीय निकायों का चुनाव हुआ था लेकिन इस बार अब तक 762 नगरीय निकाय अस्तित्व में आ चुकी हैं यानी पिछले चुनाव से इस बार 110 निकाय ज्यादा हैं। पिछले चुनाव में 3.32 करोड़ मतदाता थे। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने कहा कि अब केवल अंतिम चरण के नगरीय निकायों के सीमा विस्तार के कुछ प्रस्ताव शेष हैं जो आगामी कैबिनेट बैठक में रखे जाएंगे। परिसीमन का काम चल रहा है। शीघ्र ही इसे अंतिम रूप देकर राज्य निर्वाचन आयोग के पास भेज दिया जाएगा। चुनाव समय पर ही होंगे।

मेरठ और अलीगढ़ में लगानी होगी ताकत

निकाय चुनाव 2017 में भाजपा ने 16 में से 14 नगर निगम में जीत दर्ज की थी। मेरठ और अलीगढ़ में बसपा ने परचम फहराया था। मेरठ में भाजपा ने प्रदेश महामंत्री पंकज सिंह को प्रभारी बनाया है, उनके साथ राज्यमंत्री केपी मालिक को सह प्रभारी बनाया है। अलीगढ़ में भाजपा ने पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को प्रभारी बनाया है। वहीं मथुरा की मांठ सीट से विधायक राजेश चौधरी को सह प्रभारी बनाया है। इन दोनों सीटों पर पार्टी को पूरा जोर लगाना होगा।

मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर

नगर निकाय चुनाव में योगी सरकार के मंत्रियों की साख दांव पर है। मंत्रियों पर न सिर्फ अपने गृह जिले के निकायों में पार्टी का परचम फहराने का जिम्मा है, बल्कि प्रभार वाले निकायों में भी जीत दिलाकर अपने राजनीतिक कौशल को साबित करना होगा। पार्टी ने सभी 17 नगर निगमों, 200 नगर पालिका परिषदों सहित प्रमुख नगर पंचायतों में परचम फहराने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए पार्टी ने प्रभारी व सह प्रभारी बनाए हैं। मथुरा-वृंदावन, मेरठ, गाजियाबाद और मुरादाबाद नगर निगमों को छोड़कर शेष नगर निगमों में प्रदेश सरकार के मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रमुख नगर पालिका परिषदों की जिम्मेदारी भी ज्यादातर मंत्रियों को सौंपी गई है। पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी नगर निगम की जिम्मेदारी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को सौंपी गई है। केशव न अनुभवी नेता हैं, बल्कि पिछड़े वर्ग में उनकी मजबूत पकड़ है। इसी तरह उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक को आगरा नगर निगम का जिम्मा सौंपा गया है। उनके साथ प्रदेश महामंत्री अश्विनी त्यागी को सह प्रभारी नियुक्त किया है। आगरा से मंत्री बेबीरानी मौर्य, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की भी प्रतिष्ठा जुड़ी है। पार्टी ने शाहजहांपुर में कौशल विकास राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिलदेव अग्रवाल को प्रभारी बनाया है।

छह लेन का होगा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे

» 30 अक्टूबर से काम शुरू करने की तैयारी

» ढाई साल में पूरा करने का रखा गया है लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ से कानपुर के बीच बनने वाले एक्सप्रेस-वे पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) 30 अक्टूबर से काम शुरू करने जा रहा है। इससे पहले कार्यदायी संस्था की मशीनें और स्टाफ जहां आ गए हैं, वहीं उन्नाव से राजधानी की तरफ ग्रीन फिल्ड पर एक्सप्रेस-वे का काम शुरू होगा। करीब 63 किमी. के इस पैच को ढाई साल में बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस एक्सप्रेस-वे के बनने के बाद लखनऊ से कानपुर का सफर 35 मिनट का होगा। वहीं लखनऊ की ओर से एक्सप्रेस-वे का काम नवंबर के अंतिम सप्ताह से शुरू होने की उम्मीद है।

यह एक्सप्रेस-वे छह लेन का होगा। ढाई साल में निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। बता दें कि कानपुर हाईवे पर भारी जाम के चलते योगी सरकार ने यह निर्णय लिया है कि एक्सप्रेस-वे बनाया जाए ताकि औद्योगिक नगरी का सफर आसान हो सके। कानपुर के सफर आसान होगा तो व्यापार में भी बढ़ोत्तरी होगी। कानपुर हाईवे सबसे चलतू हाईवे है, जो पूरा दिन व्यस्त रहता है। लखनऊ से कानपुर के बढ़ते भार को देखते हुए इसका निर्माण कराया जा रहा है। इस एक्सप्रेस-वे के लिए जमीन का अधिग्रहण पहले हो चुका है। एक्सप्रेस-वे के बन जाने के बाद लोग लखनऊ से उन्नाव और उन्नाव के बाद सीधे कानपुर पहुंच सकेंगे।

कानपुर का पुराना मार्ग चलता रहेगा

कानपुर से लखनऊ और लखनऊ से कानपुर जाने के लिए वर्तमान रूट भी पहले की तरह चलता रहेगा। कुल मिलाकर लोगों के सामने कानपुर व लखनऊ जाने के लिए दो विकल्प होंगे। दो रूट हो जाने के बाद ट्रैफिक भी विभाजित हो जाएगा और जाम की समस्या करीब करीब खत्म हो जाएगी और वाहनों की गति भी बढ़ेगी।

18 किमी. होगा एलीवेटेड रूट

एनएचआई के परियोजना निदेशक सीएम द्विवेदी ने बताया कि लखनऊ से काम शुरू करने के लिए औपचारिकताएं अन्य विभागों से चल रही हैं। यहां बिजली के खंभों की लाइन शिफ्टिंग, ट्रैफिक डायवर्जन जैसी प्रकियाओं के लिए कागजी कार्रवाई की जा रही है। द्विवेदी के मुताबिक सैनिक स्कूल से पहले एलीवेटेड रूट बनी तक शुरू होगा। यह करीब 18 किलोमीटर होगा। इसके बाद ग्रीन फील्ड करीब 45 किमी. का होगा। इस ग्रीन फिल्ड से पुरवा, अचलगंज, लालगंज को जाने वाले मार्ग को भी कनेक्ट किया जाएगा।

एलीवेटेड रोड पर टोल की अलग व्यवस्था होगी

एनई-छह को जगह-जगह रैंप के जरिए कनेक्ट किया जाएगा। उद्देश्य होगा कि अधिक से अधिक लोग एक्सप्रेस का लाभ उठा सके। यही नहीं एलीवेटेड रोड पर टोल की अलग व्यवस्था होगी और ग्रीन फिल्ड पर अलग होगी। कुल मिलाकर ग्रीन फिल्ड से कनेक्ट होने वाले क्षेत्रों के लोगों को एक्सप्रेस-वे का इस्तेमाल करने पर टोल देना होगा। प्राधिकरण के अफसर एक्सप्रेस वे का काम दो माह के भीतर कार्यदायी संस्था द्वारा दोनों छोर से शुरू हो जाएगा। एक साल के भीतर चालीस फीसद से अधिक काम करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्ष 2025 के मध्य तक लक्ष्य को पूरा करना है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

त्यौहारी सीजन और महंगाई की रफ्तार

"त्यौहारी सीजन में भी आम आदमी को महंगाई से राहत मिलती नहीं दिख रही है। लगातार नौवें महीने देश की खुदरा महंगाई दर आरबीआई की लिमिट से ज्यादा रही है। सितंबर में खुदरा महंगाई दर 8.60 फीसदी रही जो अगस्त माह में 7.62 प्रतिशत थी। इसका सीधा असर खाद्य पदार्थों समेत अन्य वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। इसके कारण बाजार में पूंजी का प्रवाह भी कम होगा।

त्यौहारी सीजन में भी आम आदमी को महंगाई से राहत मिलती नहीं दिख रही है। लगातार नौवें महीने देश की खुदरा महंगाई दर आरबीआई की लिमिट से ज्यादा रही है। सितंबर में खुदरा महंगाई दर 8.60 फीसदी रही जो अगस्त माह में 7.62 प्रतिशत थी। इसका सीधा असर खाद्य पदार्थों समेत अन्य वस्तुओं की कीमतों पर पड़ेगा। इसके कारण बाजार में पूंजी का प्रवाह भी कम होगा। सवाल यह है कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में नाकाम क्यों है? क्या तेल के दामों में वृद्धि और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है? क्या लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाए बिना महंगाई को नियंत्रित किया जा सकता है? क्या एक बार फिर आरबीआई ब्याज दरों को बढ़ा सकता है? क्या महंगाई के कारण बाजार में पूंजी का प्रवाह बाधित नहीं होगा? क्या बेरोजगारी की मार झेल रहे आम आदमी को राहत देने के लिए सरकार कोई ठोस कदम उठाएगी? क्या इसका देश की अर्थव्यवस्था पर असर नहीं पड़ेगा?

कोरोना महामारी ने देश की अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया है। रही सही कसर रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी कर दी है। कोरोना के चलते लंबे लॉकडाउन ने देश की आर्थिक गतिविधियों को काफी नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान लाखों लोगों की नौकरियां चली गयीं। पर्यटन समेत तमाम उद्योग-धंधे चौपट हो गए। हालांकि अब आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं लेकिन हालात अभी काबू में नहीं आ रहे हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 0.8 फीसदी घट चुका है जबकि पिछले साल इसमें 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भी 0.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। सरकार द्वारा आर्थिक पैकेज देने के बाद भी हालात में बहुत सुधार होता नहीं दिख रहा है। हालांकि विकास दर के मामले में भारत तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। विश्व मुद्रा कोष ने इस वर्ष भारत की विकास दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। बावजूद इसके घरेलू स्तर पर बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई का समाधान करने में सरकार सफल नहीं हो पाई है। बेरोजगारी के कारण लोगों की क्रय शक्ति में गिरावट आ रही है। तेल के बढ़े दामों के कारण भी वस्तुओं की कीमतें बढ़ी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक गेहूं, आटा, चावल, दाल, तेल, आलू और प्याज के दामों में पिछले दो दिनों में पांच फीसदी की वृद्धि हुई है। डॉलर के मुकाबले रुपये के गिरने व निवेशकों द्वारा देश से पूंजी निकालने का असर भी अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। यदि सरकार महंगाई को नियंत्रित करना चाहती है तो उसे जल्द ठोस उपाय करने होंगे। साथ ही लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए रोजगार के नए साधन भी सृजित करने होंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हम पर भगवान का एक कर्ज बाकी है!

अशोक कुमार शर्मा

मुलायम सिंह यादव ने वोट बैंक से डर कर कभी सियासत नहीं की। उनके अनेक अवसरों पर बातचीत में मुझे पता चला कि उनको सिर्फ तीन बातों से डर लगता था, मजबूर, मजदूर और युवाओं का अहित, अपनी मां की मौत पर उनसे दूर होने तथा राजनीततक मतभेदों के नफरत में बदलने का! उनको मुल्ला मुलायम सिंह कहने वालों को यह जानकार हैरत होगी कि बसपा से नाता टूटने के बाद जब 2003 में वह मुख्यमंत्री बने तो लखनऊ के नदवा शरीफ में सुबह तड़के ही हज यात्रियों के पहले जत्थे को हरी झिंडी दिखाकर रवाना करते हुए अपने भाषण में उन्होंने अचानक ही कहा, बड़ी किस्मतवाले हैं कि आपको अल्लाह के घर जाने का मौका मिल रहा है। हम पर तो भगवान का एक कर्ज बाकी है। हमने मन्नत मांगी थी कि हमारा बेटा हुआ तो गोवर्धन की परिक्रमा करेंगे। जब अखिलेश पैदा हुए तो कई बार परिक्रमा का कार्यक्रम बनाया। कभी कर ही नहीं पाए। गाड़ी में परिक्रमा नहीं करना चाहते थे। किसी दूसरे नेता की मजाल नहीं होगी, मुस्लिमों के बीच अपनी आस्था का ऐसा ऐलान करने की।

उनकी इसी शैली के कद्रदान हर जगह थे। राष्ट्रपति एपीजे कलाम ने बताया था कि मुलायम सिंह ने ही मुझे हिंदी में दस्तखत करना सिखाया। उनकी वजह से मैंने हिंदी सीखी। जेआरडी टाटा के जीवनीकार आरएम लाला की लिखी एक अंग्रेजी पुस्तक के हिंदी रुपांतरण का डॉ. कलाम से विमोचन कराने के इस कार्यक्रम में लेखक आरएम लाला के साथ विख्यात उद्योगपति अजीम प्रेमजी, झारखंड के राज्यपाल प्रभात कुमार और राजकमल प्रकाशन के चेयरमैन अशोक महेश्वरी उपस्थित थे। मैं उस समय मुलायम सिंह के साथ उनका उपनिदेशक प्रेस हुआ करता था। जैसे ही मेरा परिचय राष्ट्रपति से लेखक ने कराया वे मुलायम सिंह का नाम सुनकर भावुक हो गये। उन्होंने बताया कि कई ऐसी पत्रावलियें थीं, जिन पर उन्होंने रक्षा मंत्री रहते अभूतपूर्व फैसले लिए। जैसे सीमाओं पर चीन और पाकिस्तान के हमलों का मुंहतोड़ जवाब देना। चीनी सेना को चार किमी वापस धकेलना। पाकिस्तान के हमलों में शहीद पांच जवानों के बदले सौ पाकिस्तानी सैनिकों को कफन पहनाना। वह पहले रक्षा मंत्री थे जो सियाचिन तक गए और कहा था कि हर घुसपैठिये को उसी की जमीन में मार गिराइए। उन्होंने वायुसेना को अत्याधुनिक सुखोई लड़ाकू विमान दिलवाए। यह फैसला लिया था कि सीमा पर शहीद हर जवान का शव राजकीय सम्मान के साथ उसके पुश्तैनी आवास भेजा जाए।

वह कहते थे कि राजनीतिक मतभेद और नफरत में हमेशा फर्क रहना चाहिए! लक्ष्मण मेला मैदान में एक रैली में आजम खां रैली में आये मुसलमानों को खरी-खोटी सुनाने लगे। उन्होंने मायावती की तुलना किसी पौराणिक चरित्र से कर दी। आजम खां के भाषण के दौरान नेताजी अपने स्थान पर बैठे बेचैनी में करवटें बदल रहे थे। जब आजम वापस आकर बैठे तो तो उन्होंने तारीफ करते हुए उलाहना दिया, जरूरत से कुछ ज्यादा नहीं हो गया। जब नेताजी का मौका आया तो उन्होंने कहा, राजनीतिक विरोध को नफरत में नहीं बदलना चाहिए। सभी सरकारों ने उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने की कोशिशें की हैं। हम कुछ ज्यादा करेंगे और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के हिसाब से काम करेंगे। हमको कहा वोट मिले और कहां नहीं मिले, हमारी विरोधी पार्टी का कहां जोर ज्यादा है, इस आधार पर हम काम नहीं करेंगे।

अपनी चुनावी यात्राओं के दौरान वह हैलीकॉप्टर से प्रदेश के दौरे कर रहे थे, तब दो बार उनके साथ जानेवाले एक बड़े टीवी चैनल के ब्यूरो प्रमुख अमौसी एयरपोर्ट पर उनके साथ तीसरी बार भी जाने को तैयार हो कर आ गए। तभी मेरे पास ईनाडु टीवी चैनल के उत्तर प्रदेश प्रभारी ब्रजेश मिश्रा का फोन आया और उन्होंने कहा कि हमारा चैनल रीजनल है तो क्या हम लोगों का हक नेशनल वाले ही मारेंगे? मैंने नेताजी से बात की। इस पर उन्होंने कहा, मजबूत से मुकाबले के लिए तैयार होने का मौका कमजोरों को मिलना ही चाहिए। चाहे कुछ हो। ब्रजेश को बुला लीजिये और वही साथ गए। एक मौके पर उन्होंने कहा था जिंदगी भर हमें एक डर सताता रहा कि जब हमारी मां दुनिया से जाएंगी, कहीं हम उनके आखिरी वक्त में उनसे दूर तो नहीं होंगे! जब मैं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री सचिवालय

में ओएसडी था, तब 2012 के शुरू में उनसे मिलने आवास पर चला गया था। मेरे साथ संडे पोस्ट के संपादक अपूर्व जोशी भी थे। तब उन्होंने ऐलान किया था कि इस बार हम मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते। अखिलेश को बनाने का माहौल बनायेंगे। वह मुसलमानों को साथ लेकर चलने और किसान-मजदूर-छात्रों के हिमायती थे मगर वोट बैंक की सियासत कभी नहीं की। एक बार उन्होंने बताया कि राजनीति के आरंभिक दिनों में उन्होंने मोटर साइकिल भी चलाई थी मगर एक बार पीछे बैठे उनके एक साथी का पैर साइलेंसर से जल गया तो जीप चलाने लगे। एक बाद जसवंत नगर से पूरी रात कविताएं सुनकर लौट रहे थे तो नींद के झटके में जीप रेत के टीले में घुस गयी। कोई घायल नहीं हुआ मगर इसके बाद उन्होंने जीप भी नहीं चलाई।

(लेखक, रिटायर अफसर, कई पुरस्कारों से पुरस्कृत व मुलायम सिंह के संसदीय और विधायी कार्यकाल पर पुस्तक-श्रृंखला के रचनाकार हैं)

मानसिक स्वास्थ्य पर बढ़े जागरूकता

कनिनिका मित्रा

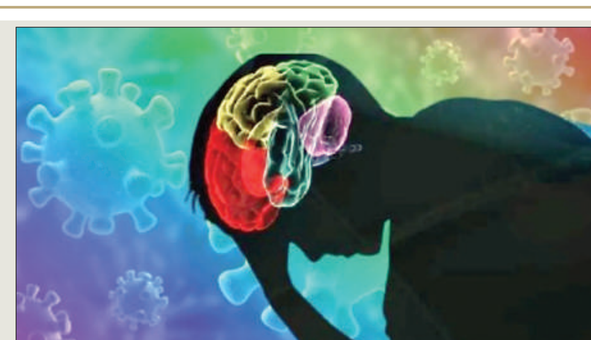

मानसिक स्वास्थ्य अब भी एक उपेक्षित मुद्दा ही है, पर कोरोना महामारी के बाद इस पर काफी चर्चा हुई है। साल 2019 में हर आठ में से एक व्यक्ति तथा दुनियाभर में 97 करोड़ लोग मानसिक विकार के साथ जी रहे थे। इसमें चिंता और अवसाद सबसे आम थे। साल 2020 में महामारी के कारण चिंता और अवसाद से पीड़ित लोगों की संख्या में क्रमश: 26 और 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मानसिक स्वास्थ्य के बारे में आम लोगों के बीच गंभीर गलतफहमी है तथा इसकी रोकथाम और उपचार के विकल्पों तक पहुंच बहुत कम है।

हमें पेट या कमर में दर्द होता है, तो हम डॉक्टर के पास जाते हैं, लेकिन जब हम भावनात्मक रूप से पीड़ित होते हैं, तो हम मदद मांगने से क्यों कतराते हैं? वास्तव में हम उन लोगों के बारे में तुरंत ही अपनी राय बना लेते हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए पेशेवर मदद लेते हैं। मानसिक विकार मानसिक स्वास्थ्य की ऐसी स्थिति है, जिसमें सोच तथा भावनात्मक व्यवहार पर असर पड़ता है। मानसिक स्वास्थ्य विकार जैविक, मनोवैज्ञानिक और पर्यावरणीय कारणों से उत्पन्न होते हैं। अवसाद वैश्विक विकलांगता के सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में उभरा है। गंभीर डिप्रेशन आत्महत्या का भी कारण बन सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर वर्ष आठ लाख से अधिक लोगों की मृत्यु आत्महत्या के कारण होती है। किशोरों एवं युवाओं (15-29 वर्ष आयु वर्ग) में आत्महत्या मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण बन गया है। अच्छा मानसिक स्वास्थ्य बच्चों के विकास और उनके पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए आवश्यक है। माता-पिता, समुदाय तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि हम बच्चों को एक ऐसा वातावरण प्रदान करें, जो उनके लिए सुरक्षित और उनकी उन्नति में सहायक हो। किशोरावस्था एक संवेदनशील अवस्था होती है। इस दौरान बच्चे नकारात्मक सामाजिक नियमों तथा लैंगिक भेदभावों से प्रभावित हो सकते हैं। लड़कों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपनी भावनाओं पर काबू रखें और आंसू न बहाएं जबकि लड़कियों के साथ होने वाले भेदभाव उनके आत्मसम्मान को कम करते हैं और उनकी स्वतंत्रता पर अंकुश लगाते हैं। ये सभी तनाव, चिंता और अवसाद को ट्रिगर कर सकते हैं। हाल के वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों की सोच और व्यवहार में परिवर्तन आये हैं लेकिन मानसिक बीमारी को लेकर नकारात्मक मान्यताएं अभी भी हैं, जिस कारण लोग असहज महसूस कर सकते हैं तथा उन्हें आवश्यक सहयोग और सहायता प्राप्त करने में परेशानी होती है। जागरूकता तथा समझ की कमी बच्चों एवं युवाओं को अपने परिवार और दोस्तों के साथ संबंधों को भी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है तथा उन्हें स्कूलों, खेलों और सामाजिक गतिविधियों से दूर कर सकती है।

मानसिक स्वास्थ्य के बारे में कई भ्रांतियां हैं, जैसे-मानसिक स्वास्थ्य विकार वाले व्यक्ति की बुद्धि कम होती है या अच्छे ग्रेड और कई दोस्त वाले किशोर कभी अवसादग्रस्त नहीं हो सकते। यह भी माना जाता है कि किसी व्यक्ति को मानसिक विकार से बचाने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है। इन भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रयास होने चाहिए। समावेशी समाज के विचार को बल देने के लिए मानसिक बीमारी के रोकथाम, प्रोत्साहन तथा देखभाल के लिए सभी क्षेत्रों को आगे बढ़ कर बच्चों एवं किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य में निवेश की तत्काल आवश्यकता है। माता-पिता को अपने बच्चों से बात करने की आवश्यकता है ताकि वे अपने बच्चों के जीवन से नकारात्मक कारकों को दूर कर सकें तथा उन्हें अपने दोस्तों के साथ सुरक्षात्मक संबंधों में शामिल होने में मदद कर सकें। सकारात्मक पालन-पोषण के साथ स्कूलों को गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और सकारात्मक संबंधों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को बल देने की भी आवश्यकता है। खेल, नाटक, संगीत और पेंटिंग जैसी रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं इसलिए बच्चों को इनमें शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों की समय रहते पहचान करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा सकता है ताकि वे परेशानियों की पहचान कर आवश्यक होने पर चिकित्सा हेतु सलाह दे सकें। स्कूल और घर सुरक्षित जगह होना चाहिए, जहां बच्चे अपनी समस्याओं पर खुल कर चर्चा कर सकें। भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े मुद्दे, इसके उपचार तथा इससे जुड़ी गलत धारणाओं को दूर करने के लिए पहले से ही एक मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम है। हमें मानसिक बीमारियों से जड़े मुद्दों के प्रति चुप्पी तोड़ने की जरूरत है। इसके लिए आवश्यक है कि मानसिक बीमारियों से जुड़ी गलत धारणाओं को दूर किया जाए तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समझ को बेहतर किया जाए। हमें हमारे मानसिक स्वास्थ्य को संतुलन में रखने के लिए कुछ समय जरूर निकालना चाहिए ताकि हम खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से शांत रख सकें। सबसे महत्वपूर्ण है कि मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने से झिझकना नहीं चाहिए।

करवा चौथ पर ऐसे करें मेकअप

करवा चौथ का व्रत 13 अक्टूबर को है। सुहागिन महिलाओं ने लगभग सारी तैयारियां पूरी कर ली होंगी। कपड़े से लेकर ज्वैलरी तक क्या पहनना है, महिलाएं अक्सर ये पहले ही तय कर लेती हैं। लेकिन आखिरी मिनट पर मेकअप कैसा हो। ये भी जानना जरूरी है। अगर आप करवा चौथ के मौके पर नई दुल्हन सा सजना चाहती हैं, तो इन स्टेप को फॉलो करें। फिर देखिए पतिदेव की निगाहें आप पर से हटेंगी नहीं। तो चलिए जानें कैसे करें नई दुल्हन की तरह मेकअप। इन दिनों दो तरह के मेकअप काफी ज्यादा ट्रेंड में हैं। पहला गोल्डन ग्लिटरी मेकअप और दूसरी न्यूट्रल टोन मेकअप। आप अपनी पसंद और स्किन टोन के हिसाब से मेकअप चुन सकती हैं।

आंखों का मेकअप

आंखों पर मेकअप शुरू करने से पहले आइब्रो को अच्छी तरह से शेप दें। फिर गोल्डन आईशैडो को लगाकर ब्लेंड करें। अगर आप स्मोकी आईज चाहती हैं तो साथ में ब्लैक या ब्राउन कलर के आईशैडो को लगाएं। और अगर न्यूट्रल टोन मेकअप चाहती हैं तो केवल गोल्डन आईशैडो ही लगाएं। साथ में लाइनर की मदद से आंखों को शेप दें। आप चाहें तो विंग्ड आईलाइनर लगा सकती हैं।

कंसीलर का इस्तेमाल

अगर चेहरे पर दाग-धब्बे हैं तो कंसीलर की मदद से इन्हें छिपा सकती हैं।

स्किन को करें तैयार

मेकअप शुरू करने से पहले स्किन को तैयार करना जरूरी है। जिससे कि बेस मेकअप अच्छी तरह से स्किन पर टिके इसके लिए मेकअप से पहले चेहरे को टोनर की मदद से साफ करें। फिर मॉइश्चराइजर लगाएं और प्राइमर लगाएं। प्राइमर लगाने से बेस आसानी से स्किन में सेट हो जाता है।

कैसा हो फाउंडेशन

अपनी स्किन टोन से बिल्कुल मैच करता ही फाउंडेशन चेहरे पर लगाएं। साथ में गर्दन और पीठ के खुले हिस्सों पर भी फाउंडेशन की एक परत लगाएं, जिससे कि पूरा चेहरा एक सा दिखे।

हाईलाइटर

गोल्डन हाईलाइटर की मदद से नाक, चिक बोंस और आईब्रो के ऊपरी हिस्से को हाईलाइट करें। नई दुल्हन सा मेकअप करने के लिए हाईलाइटर को अच्छी तरह से लगाएं। जिससे कि गोल्डन इफेक्ट चेहरे पर दिखे। साथ में पिंक ब्लश को जरूर गालों पर लगाएं। सबसे आखिर में आउटफिट से मैच करती लिपस्टिक को लगाएं। लिपस्टिक लगाने से पहले लिप लाइनर की मदद से आउटलाइन बनाएं। इससे लिपस्टिक अच्छी तरह से लगेगी और किनारों पर स्मज नही होगी। बस आपका मेकअप कंप्लीट हो गया। हेयरस्टाइल और ज्वैलरी के साथ लुक को कंप्लीट करें।

हंसना मना है

पापा- तेरा रिजल्ट आ गया, पास हुआ या फेल? बेटा- प्रिंसिपल का बेटा फेल हो गया पापा- तुम? बेटा- मेजर साहब का बेटा भी फेल हो गया पापा- और तुम? बेटा- डॉक्टर साहब का बेटा भी फेल हो गया। पापा गुस्से से- बेवकूफ, मैं तुमसे पूछ रहा हूं तुम्हारे रिजल्ट का क्या हुआ? बेटा -तो आप कौन से प्रधानमंत्री हो जो आपका बेटा पास हो जाएगा...दे चप्पल, दे चप्पल, दे चप्पल...

मंटू की पत्नी गुस्सा होकर मायके चली जाती है मंटू अपनी ससुराल में फोन करता है, उधर से सास की आवाज आती है, कितना बार कहा है तुमसे अब वो तुम्हारे घर नहीं आएगी तो क्यों बार-बार फोन करते हो यहां मंटू- कुछ नहीं बस सुनकर अच्छा लगता है... सास- ठीक है फिर कल से मैं भी साथ में आ जाती हूं एक महीने के लिए मंटू लाल बेहोश.....

चाहे कितनी भी अंग्रेजी सीख लो... लेकिन जब कुत्ता पीछे पड़ जाए तो हट-हट ही करना पड़ता है।

लड़की-मेरे पापा ने मुझे नया मोबाइल खरीद कर दिया। लड़का - अरे वाह, कंपनी कौन सी है? लड़की : लावारिस कंपनी का। लड़का - अरे अक्ल की अंधी वो लावारिस नहीं LAVARIS है।

एक आदमी खड़े-खड़े चाबी से अपना कान खुजा रहा था। दूसरा आदमी पास जाकर बोला: भाई अगर तू स्टार्ट नहीं हो पा रहा है तो धक्का लगाऊं क्या?

एक ऑटो वाले की शादी हो रही थी जब उसकी दुल्हन फेरों के वक्त उसके पास बैठी तो वह बोला, थोड़ा पास होकर बैठो, अभी एक और बैठ सकती हैफिर क्या था मण्डप में हीज्दे चप्पल दे चप्पल!

कहानी | जो होता है अच्छा होता है

बीरबल हमेशा एक बात कहते थे कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है। बादशाह अकबर उसकी इस बात को हमेशा गलत ठहराते थे। एक दिन तलवार को संभालते समय बादशाह की छोटी ऊंगली कट गयी। बीरबल ने तुरंत बादशाह से कहां- चिंता न करें, जो भी होता है उसके पीछे कोई कारण होता है और वह कारण अच्छे के लिए होता है। बादशाह अकबर बीरबल की इस बात पर बहुत क्रोधित हुए और उसे जेल में डाल दिया। बादशाह ने ऊंगली पर पट्टी बाँधी और कुछ दिन बाद मन बदलने के लिए जंगल में शिकार के लिए चल दिए। कुछ देर बाद, वे शिकार दल से अलग हो गये और अचानक से कुछ आदिवासियों ने उन्हें घेर लिया, मानव बलि देने के लिए। बादशाह को बलि के बकरे की तरह बांधकर मंदिर तक लाया गया। मंदिर के पुजारी ने जब बलि देने के लिए बादशाह का परीक्षण किया हो कहा कि यह बलि देने लायक नहीं है क्योंकि इसकी ऊंगली गायब है। यह जानकर बादशाह को छोड़ दिया गया। महल वापिस लौटने पर बादशाह ने भगवान को अपनी ऊंगली कटने का धन्यवाद किया जिसके कारण उनका जीवन बच गया। वे फौरन बीरबल से मिलने जेल पहुंचे। बीरबल, तुम्हें जेल में डालने के लिए माफी चाहता हूँ अब मैं समझ गया हूं कि मेरी ऊंगली का काटना मेरे लिए किस प्रकार अच्छा था। लेकिन मुझे बताओ ईश्वर ने मुझे तुम्हें जेल में क्यों डालने दिया। यह तुम्हारे लिए कैसे अच्छा था? बीरबल ने उत्तर दिया, जहांपनाह, अगर मैं जेल में नहीं होता तो आप मुझे अपने साथ शिकार पर ले जाते और आदिवासियों द्वारा आपको छोड़ने पर, वे मुझे के लिए ले जाते।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
अपने जीवनसाथी के मामले में गैर-जरूरी टांग अड़ाने से बचें। अपने काम-से-काम रखना बेहतर रहेगा। कम-से-कम दखल दें, नहीं तो इससे निर्भरता बढ़ सकती है।

वृषभ
आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। ऑफिस में किसी सहकर्मी से आपको मदद मिल सकती है। सेहत के मामले में आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ घूमने का प्लान बनायेंगे।

मिथुन
आप दोस्तों के साथ एक नया उद्यम शुरू कर सकते हैं और आपको उनका पूरा समर्थन मिलेगा। वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे और शेयरों में कुछ निवेश भी किया जा सकता है।

कर्क
अचानक आए खर्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। माँ की बीमारी परेशानी दे सकती है। मर्ज का असर करने के लिए उनका ध्यान बीमारी से हटाकर किसी और चीज पर लगाने की कोशिश करें।

सिंह
आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ हो सकता है। आपको सभी काम में सफलता मिलेगी। आज आप कार्यस्थल पर कुछ बदलाव कर सकते हैं, इससे आपको फायदा होगा।

कन्या
आज आप अपने खान-पान और दिनचर्या के प्रति सजग रहें। धैर्य बनाए रखें ज्यादा खुश और अधिक परेशान होने से बचे। कुछ के लिए प्रेम संबंधों में मधुरता होती है।

तुला
इस तरह के विचारों से बचें, क्योंकि ये समय की बर्बादी करते हैं और आपकी क्षमताओं को खत्म करते हैं। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है।

वृश्चिक
आज आपका कोई नजदीकी मित्र आपसे मिलने आ सकता है। आप उनसे अपनी कोई निजी बातें शेयर कर सकते हैं। इससे आपके मन का बोझ थोड़ा हल्का होगा।

धनु
किसी बुजुर्ग रिश्तेदार की निजी समस्याओं में मदद करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं। भावनाओं के प्रवाह में बहकर आप कोई अविचारी कार्य न कर बैठें, इसका ध्यान रखें।

मकर
मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आप काफी पैसे बना सकते हैं लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। पुरखों की जायदाद की खबर पूरे परिवार के लिए खुशी ला सकती है।

कुम्भ
आज ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। आपके काम समय पर पूरे होंगे। आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद रहेगी।

मीन
आज कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। उद्यमियों के लिए नए क्षितिज खुल सकते हैं, जो उनके विकास के लिए आर्थिक तौर लाभकारी होगा।

जल्द सात फेरे लेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी

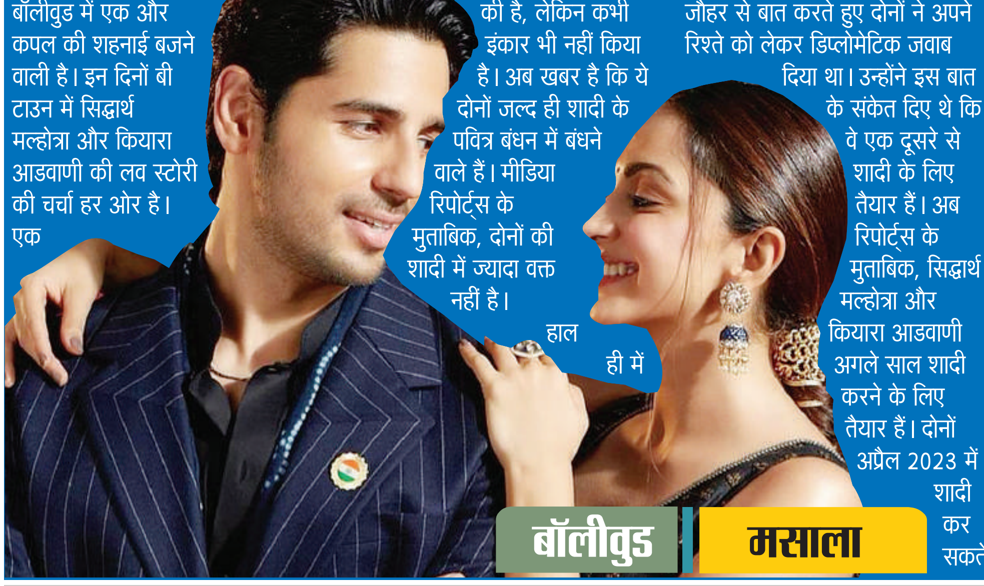

बॉलीवुड मसाला

अली फजल और ऋचा चड्ढा के बाद अगले कुछ महीनों में बॉलीवुड में एक और कपल की शहनाई बजने वाली है। इन दिनों बी टाउन में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की लव स्टोरी की चर्चा हर ओर है। एक दूसरे के प्यार में दीवाने इस कपल ने कभी खुलकर अपने रिलेशन पर बात तो नहीं की है, लेकिन कभी इंकार भी नहीं किया है। अब खबर है कि ये दोनों जल्द ही शादी के पवित्र बंधन में बंधने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों की शादी में ज्यादा वक्त नहीं है। हाल ही में सिद्धार्थ और कियारा ने कॉफी विद करण चैट शो में एक दूसरे को डेट करने को लेकर कुछ हिंट दी थी। करण जौहर से बात करते हुए दोनों ने अपने रिश्ते को लेकर डिप्लोमेटिक जवाब दिया था। उन्होंने इस बात के संकेत दिए थे कि वे एक दूसरे से शादी के लिए तैयार हैं। अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी अगले साल शादी करने के लिए तैयार हैं। दोनों अप्रैल 2023 में शादी कर सकते हैं। ऐसी भी चर्चा है कि उनकी शादी कोई शाही फंक्शन न होकर साधारण सी रजिस्टर्ड मैरिज ही होगी। फिल्म शेरशाह में सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी कपल के तौर पर दिखे थे। कहा जाता है कि इसी फिल्म के सेट पर दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी थीं और शूटिंग के अंत तक दोनों एक दूसरे के प्यार में गिरफ्तार हो गए। दोनों के रिश्ते की चर्चा लंबे समय से मीडिया में है। इन्होंने कभी इस पर खुल कर बात तो नहीं की लेकिन पार्टीज में अक्सर साथ देखे जाने पर रिलेशन पर हिंट जरूर दिया। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की शादी उनके फैंस के लिए बड़ी ट्रीट हो सकती है। कहा जा रहा है कि दोनों इस समय विदेश में है। वे वहां अपनी-अपनी शूटिंग में गए हैं। कियारा वर्तमान में हिट हीरोइनों में शुमार हैं जबकि सिद्धार्थ की फिल्में भी लोगों को पसंद आ रही है।

बॉलीवुड मन की बात

रकुल प्रीत ने अपनी लव लाइफ की बातें शेयर की

बॉलीवुड स्टार्स अक्सर अपनी लव लाइफ छिपा कर रखते हैं। ज्यादा स्टार्स अपने रिश्ते का खुलासा उस समय करते हैं जब वह शादी करने वाले होते हैं। विक्की कौशल और कटरीना कैफ इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कुछ केस में अफेयर होने के बाद भी कपल के रिलेशन के बारे में पता चलता है। इसके बाद करण जौहर के शो में अक्सर बी टाउन स्टार्स के रिलेशनशिप का खुलासा होता है। कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के रिलेशनशिप का भी खुलासा करण के शो में हुआ था। बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने अपने रिलेशन को किसी शो या फिर शादी से पहले नहीं बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की बात बताई है। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया है कि उन्होंने बी टाउन के अन्य कपल्स की तरह अपना रिश्ता क्यों नहीं छिपाया। रकुल ने जैकी संग अपने रिश्ते को सोशल मीडिया के द्वारा जगजाहिर किया है। रकुल ने एक इंटरव्यू में बताया है कि उन्होंने अपने रिश्ते को इसलिए नहीं छिपाया है कि क्योंकि उन्हें नहीं लगता है कि इसकी वजह से उनके काम पर कोई असर पड़ेगा। रकुल प्रीत सिंह ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि अधिकतर स्टार्स अपने रिश्ते का खुलासा इसलिए नहीं करते हैं क्यों उन्हें लगता है कि इससे काम पर असर पड़ेगा। मगर हम साल 2022 में है। मुझे लगता है कि पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ अलग होती है। आपकी पर्सनल लाइफ कभी भी प्रोफेशनल क्रेडिबिलिटी को छीन नही सकते है। रकुल बताती हैं कि रिश्ता कोई भी हो, उसकी कद्र जरूर होनी चाहिए। वे कहती हैं कि जैकी एक अच्छे इंसान है। फिलहाल अभी हम लोग दोस्त है। समय आने पर हम लोग फैसला ले सकते हैं। रकुल अभी दो-तीन फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं।

शुभमन गिल और ईशान किशन पर चढ़ा विक्रम वेधा का रंग

ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की हालिया रिलीज फिल्म विक्रम वेधा भले ही कमाई के मामले में अभी जद्दोजहद कर रही हो, लेकिन पॉपुलैरिटी के मामले में फिल्म काफी आगे निकल चुकी है। फैंस के बाद अब विक्रम वेधा का खुमार क्रिकेट के धुरंधरों पर भी सिर चढ़कर बोल रहा है। सोशल मीडिया पर शुभमन गिल और ईशान किशन का एक वीडियो वायरल हो रहा हैं, जिसमें शुभमन एक्टर ऋतिक की नकल उतारते हुए ईशान किशन पर प्यार जता रहे हैं। दरअसल, साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वनडे में भारत ने जीत हासिल की। मैच के दौरान ईशान ने एक अच्छी पारी खेली और 93 रन बनाने में सफल रहे थे, जिसके बाद शुभमन गिल वेधा बनकर ड्रेसिंग रूम में पहुंचे और ईशान के गाल पर हाथ रखकर प्यार जताते हुए उन्हें बधाई दी। ठीक वैसे ही जैसे फिल्म विक्रम वेधा में ऋतिक अपने भाई शतक के साथ करते हैं। शुभमन ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है और कैप्शन में कहा, बहुत अच्छा खेले में शतक। गायत्री और पुष्कर द्वारा निर्देशित विक्रम वेधा इसी नाम की तमिल फिल्म की रीमेक है। ओरिजिनल फिल्म आर माधवन और विजय सेतुपति थे। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो विक्रम वेधा को रिलीज हुए अब दो हफ्तों से ज्यादा का वक्त हो चुका है, लेकिन फिल्म अपनी लागत निकाल पाने में अभी भी असमर्थ है। पहले दिन फिल्म ने 10.58 करोड़ के साथ ओपनिंग की थी, जिसे देखकर उम्मीद जताई गई थी कि फिल्म आगे चलकर अच्छा कलेक्शन करेगी।

जब घर का छप्पर फाड़कर बरसने लगे चांदी के सिक्के

आपने कई ऐसी फिल्में देखी होंगी, जहां छप्पर फाड़कर सोना चांदी बरसने लगता है। जमीन में खजाना गड़ा होता है। जिसे पाने के लिए लोग दिन रात घर की खुदाई करने में जुट जाते हैं। ऐसी कहानियां हमेशा काल्पनिक ही नहीं होती, बल्कि कुछ में सच्चाई भी होती है। ठीक वैसे ही जैसे अजय देवगन की फिल्म 'रेड' में आपने देखा होगा। जहां घर की छत टूटते ही सिक्के बरसने शुरू हो गए थे। एक ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश में सामने आया है जिसने सभी को हैरान कर दिया। छप्पर फाड़कर सिक्के बरसने की घटना ने लोगों को हैरान कर दिया। मामला उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले का है जहां खंडहर बने घर की दीवार जैसे ही तोड़ी गई, सिक्के बरसने शुरू हुए तो लोग हतप्रभ रह गए। आनन फानन में घर तोड़ने का काम रोकना पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत सिक्कों की छीनाझपटी शुरू कर दी जिसे बामुश्किल रोका गया। मामला तब सामने आया जब नगर निगम एक पुराने खंडहर को तोड़ने में जुटा हुआ था। जैसे ही बुलडोजर ने अपना दम दिखाया दीवार के टूटते ही उसमें से चांदी के सिक्के बरसने शुरू हो गए। ऐसा होना था कि वहां मौजूद हर कोई हक्काबक्का रह गया। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक बरसे सिक्कों को लूटने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। लिहाजा आनन फानन में तुरंत बुलडोजर को थामना पड़ा। नगर निगम ने फिलहाल इस खंडहर की घेराबंदी कर डिमोलिशन के काम को रोक दिया। किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक जर्जर मकान जो तकरीबन खंडहर में तब्दील हो चुका था वो खजाने की खान निकलेगा। मकान इतना जर्जर हो चुका था कि लगातार हो रही बारिश से उसके गिरने का डर था और अगर ऐसा अचानक होता तो बड़े नुकसान की आशंका थी। लिहाजा नगर निगम ने इस जर्जर खंडहर को गिराने का फैसला किया लेकिन तब किसी ने ये नहीं सोचा होगा कि जो जर्जर मकान बारिश से गिरने की कगार पर था। उसकी एक दीवार गिरते ही चांदी की बरसात होने लगेगी। फिलहाल प्रशासन ने चांदी के सिक्कों को अपने पास सुरक्षित रख लिया है। एक एक सिक्का 10 ग्राम का बताया जा रहा है। जिसकी बाजार में कीमत करीब 1000 होगी। जर्जर दीवार के गिरने से करीब 160 से भी ज्यादा चांदी के सिक्के निकले हैं। ध्यान रहे कि बाकी पूरा मकान गिरना अभी बाकी है।

अजब-गजब यहां रेलवे ने दिया हनुमान जी को नोटिस

जमीन खाली करो, नहीं तो होगी कानूनी कार्रवाई

आपने परेश रावल की फिल्म ओह माय गॉड देखी होगी। इसमें व्यक्तिगत क्षति होने पर परेश रावल भगवान को नोटिस भेजते हैं। ऐसा ही कुछ झारखंड में देखने को मिला है। यहां रेल मंडल ने हनुमान जी को नोटिस भेजकर जमीन खाली करने के लिए कहा है। यह मामला झारखंड के धनबाद जिले से सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यहां धनबाद रेल मंडल ने हनुमान जी ने नाम नोटिस भेजा है। दरअसल, धनबाद जिले के बेकारबांध में हनुमानजी का एक मंदिर बना है। बताया जाता है कि यह मंदिर साल 1931 से है। इस मंदिर में स्थानीय लोग प्रतिदिन पूजा-पाठ करते है। सोमवार सुबह जब लोग वहां पूजा करने गए तो मंदिर के मुख्य गेट पर रेलवे का नोटिस चस्पा देखा।

यह लिखा था नोटिस में

मंदिर के गेट पर चिपके हुए नोटिस में हनुमान जी के नाम से लिखा है कि आपने रेलवे की जमीन पर कब्जा कर रखा है। जल्द ही जमीन को खाली कर दीजिए। अन्यथा आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नोटिस 29 सितंबर को भेजा गया है। नोटिस में लिखा है कि आपने उपरोक्त रेल जमीन

पर (मंदिर) जो आपने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है जो कानूनन अपराध है। अतः आपको निर्देश दिया जाता है कि पत्र प्राप्ति के दस दिन के अन्दर उपरोक्त रेल जमीन को यथाशीघ्र रेल जमीन को खाली कर दें और अनुभाग अभियंता को सुपुर्द कर दें। अन्यथा आपके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसे अति आवश्यक समझे।

लोगों में आक्रोश

रेल मंडल के इस नोटिस को लेकर स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगभग कई दशकों से यहां रह रहे हैं। आज तक रेलवे ने कभी नोटिस नहीं दिया। पहली बार यह नोटिस मिला है। रेलवे पहले आम लोगों को नोटिस दिया करती थी। पहली बार भगवान को नोटिस दिया गया है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। इसका हम लोग विरोध कर रहे हैं। बता दें कि मंदिर में नोटिस चिपकाने के बाद वहां रह रहे लोगों को भी रेलवे ने नोटिस दिया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, वह जमीन रेलवे की है। वहां रह रहे लोग अनाधिकृत रूप से रह रहे हैं। उन्हें जल्द ही जमीन खाली करने को कहा गया है। बेकारबांध के खटिक मुहल्ले में वर्षों से लोग रह रहे हैं। वहां खटिक समुदाय के लोग मुख्यतः उत्तर प्रदेश से आए हैं। झुग्गी-झोपड़ी डालकर वर्षों से पानी फल, मछली, सब्जी समेत अन्य छोटे-छोटे कारोबार कर अपना जीविकोपार्जन करते हैं।

कांग्रेस में पूर्ण परिवर्तन मेरा एजेंडा, पार्टी को सॉफ्ट हिंदुत्व की जरूरत नहीं : थरूर

» वरिष्ठ नेताओं के असहयोग से आहत दिखे थरूर

» कांग्रेस अध्यक्ष के उम्मीदवार थरूर प्रचार के लिए पहुंचे थे गुजरात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जी 23 के नेताओं को कभी एक कमरे में बैठे नहीं देखा

अध्यक्ष के चुनाव के बाद जी 23 समूह के नेताओं की रणनीति के बारे में थरूर ने कहा कि यह कोई संगठन नहीं था, कोरोना के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष तक अपनी बात पहुंचाने की भावना से करीब सौ नेता सहमत थे, जिनमें से 23 नेताओं ने दस्तखत कर पत्र कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजा। उनका दावा है कि उन्होंने इन 23 नेताओं को कभी एक कमरे में बैठे नहीं देखा।

अहमदाबाद। कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे वरिष्ठ नेता शशि थरूर पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों से खिन्न नजर आए। उनके प्रतिद्वंद्वी मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ प्रदेश अध्यक्ष व अन्य वरिष्ठ नेता होते हैं लेकिन जब वे राज्यों में कांगेस प्रतिनिधियों से मिलने जा रहे हैं तो बड़े नेता उनसे किनारा कर लेते हैं।

गुजरात कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय राजीव गांधी भवन में पत्रकारों से चर्चा के दौरान थरूर ने कहा कि गुजरात व अन्य राज्यों में उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष, नेता विपक्ष या अन्य वरिष्ठ नेताओं का नहीं होना उन्हें अखर रहा है। साथ ही थरूर ने यह भी कहा कि वे पार्टी में बदलाव के लिए लड़ रहे हैं इसलिए यह बात लाजमी है कि वर्तमान में ऊंचे ओहदों पर आराम फरमा रहे लोग उनका साथ क्यों देंगे जबकि उनका एजेंडा ही पार्टी में जड़मूल से परिवर्तन का है।

थरूर का कहना है कि कांग्रेस को समावेशी, कार्यकर्ता की व्यापक भागीदारी व कांग्रेस के मूल सिद्धांत पर चलने वाला संगठन बनाने की जरूरत है। उन्होंने कांग्रेस को सॉफ्ट हिंदुत्व अपनाने की जरूरत को भी नकारा है। थरूर ने राजस्थान कांग्रेस में बगावत के बारे में कहा कि नेताओं को अधिकार दिए जाते हैं तो उन पर एक जिम्मेदारी भी आती है। पार्टी के वरिष्ठ नेता ऐसी बयानबाजी करें जिससे विरोधी दल भाजपा को लाभ हो, ऐसा नहीं होना चाहिए।

मुहर्रम में नाचेंगे कहकर फंसे खड़गे, भाजपा ने घेरा

» कहा, कांग्रेस नेता का बयान मुस्लिमों का अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बकरीद में बचेंगे तो मुहर्रम में नाचेंगे का बयान देकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भाजपा के निशाने पर आ गए हैं। भाजपा ने आरोप लगाया है कि इसके जरिए खड़गे ने मुस्लिमों का अपमान किया है। हालांकि, इसे लेकर अभी तक कांग्रेस या खड़गे की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, परिवार की तरफ से चुने गए कांग्रेस के पहले प्रॉक्सी प्रेसिडेंट उम्मीदवार से पूछा गया कि 2024 में प्रधानमंत्री उम्मीदवार कौन होगा। उनका जवाब था, बकरीद में बचेंगे तो मुहर्रम में नाचेंगे। पहले तो मुहर्रम जश्न नहीं है, शोक है। यह मुसलमानों का अपमान करने वाला है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी वरिष्ठ नेता से सवाल किए हैं। उन्होंने बयान को असंवेदनशील बताया और कहा खड़गे को भी उम्मीद नहीं है कि कांग्रेस 2024 तक टिकेगी। गौरतलब है कि बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खड़गे से 2024 के प्रधानमंत्री उम्मीदवार को लेकर सवाल पूछा गया था। उन्होंने जवाब दिया, मैं संगठन का चुनाव लड़ रहा हूं। एक कहावत है कि बकरीद में बचेंगे तो मुहर्रम में नाचेंगे। पहले इस चुनाव को पूरा हो जाने दीजिए और मुझे अध्यक्ष बन जाने दीजिए, इसके बाद फिर देखेंगे।

ओलंपिक खिलाड़ी केशवन आप में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश मनाली के छह बार के ओलंपिक खिलाड़ी तथा शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भारत के पहले ल्यूज खिलाड़ी रहे शिवा केशवन ने आप का दामन थाम लिया है। केशवन के आप में आने से पार्टी को प्रदेश में एक बड़ा चेहरा मिल गया है। सूत्रों की मानें तो वह मनाली सीट से चुनाव लड़ सकते हैं।

आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने अपने इस फैसले का कारण भी बताया है। उन्होंने कहा आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे युवाओं से प्रेरित होकर उन्होंने भी पार्टी का दामन थामा है। आने वाले समय में युवाओं को बड़े बदलाव के लिए पार्टी से बड़ी उम्मीदें हैं। शिवा केशवन विंटर ओलंपिक गेम्स के दिग्गज एथलीटों में एक हैं। भारत का यह एथलीट ल्यूज में तब से सक्रिय है, जब इस स्पर्धा ने भारत में आधारिकारिक रूप नहीं लिया था। वह छह बार विंटर ओलंपिक गेम्स में हिस्सा ले चुके हैं। उनका प्रयास है कि वह खेलों को भारत में लोकप्रिय बनाने के लिए काम करते रहेंगे।

कांग्रेस ने भाई को भाई से लड़ाया : नड्डा

देश के विकास को भटकाया, गुजरात का विकास बना मॉडल

» गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को गुजरात के मेहसाणा में गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बबूल के बीज बोए थे तो बबूल के पेड़ ही उगेंगे। विकास कभी नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले राज्य में और अब देश में विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। गुजरात का विकास मॉडल कई अन्य राज्यों के लिए एक मॉडल बन गया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भाई को भाई से लड़ाया है। इलाके को इलाके से लड़ाया है। जहां पानी चाहिए था, वहां पानी नहीं दिया। विकास की यात्रा को अटकाया और भटकाया है। साथ नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज खुद लटकी और भटकी हुई हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे हर घर में पार्टी के संदेश ले जाएं और केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा किए गए विकास कार्यों, नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में बताएं। गौरतलब है कि भाजपा ने पांच गौरव यात्राओं की योजना बनाई है।

पार्टी ने 16 राष्ट्रीय नेताओं और 14 राज्य नेताओं को गौरव यात्रा में साथ देने के लिए नियुक्त किया है। यह उत्तरी गुजरात और सौराष्ट्र-कच्छ की 44 विधान सभा सीटों को कवर करेगा। इसके साथ ही इस गौरव यात्रा में 145 जनसभाओं को भी संबोधित किया जाएगा। इस साल के अंत में होने वाले विधान सभा चुनाव से पहले गुजरात के लोगों को एकजुट करने के लिए भाजपा ने यात्रा शुरू की है।

राजस्थानः भाजपा मनाएगी काला दिवस

जयपुर। राजस्थान में 17 दिसंबर को अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को चार साल हो जाएंगे। राज्य में विपक्षी भाजपा कांग्रेस सरकार की चौथी सालगिरह काला दिवस (ब्लैक डे) के रूप में मनाएगी। भाजपा काला दिवस 17 दिसंबर को मनाएगी, इसी दिन गहलोत सरकार के चार साल पूरे होंगे। भाजपा ने घोषणा की है कि वह कांग्रेस सरकार की चौथी सालगिरह से पहले गहलोत सरकार के चार साल के शासन की विफलताओं के खिलाफ एक काला पत्र भी जारी करेगी। पार्टी सरकार के खिलाफ नवंबर से पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। भाजपा की राज्य इकाई ने सभी 200 विधान सभा क्षेत्रों में प्रदर्शन की योजना बनाई है।

तेजप्रताप का ऐलान राजद कार्यालय में लगेगी मुलायम की तस्वीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश कार्यालय में सपा संस्थापक व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की तस्वीर लगेगी। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे व पर्यावरण एवं वन मंत्री तेजप्रताप यादव ने बुधवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव धरतीपुत्र थे। उन्होंने उम्र भर समाज के दबे-कुचले लोगों के उत्थान का प्रयास किया। बिहार से उनका गहरा लगाव था।

तेजप्रताप ने इस संबंध में माइक्रो ब्लागिंग साइट पर राजद कार्यालय में ली गई अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा कि गरीबों के मसीहा सपा प्रमुख एवं धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की तस्वीर आरजेडी प्रदेश कार्यालय में लगाई जाएगी। राजद कार्यालय में अभी जेपी, लोहिया एवं कर्पूरी ठाकुर सहित कुछ अन्य जननायकों की तस्वीर लगी हुई है। गौरतलब है कि सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव का सोमवार को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया था।

देवी-देवताओं को अपमानित कर रहे भाजपा नेता!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तराखंड के बीजेपी विधायक बंशीधर भगत का एक विवादित बयान चर्चा में हैं। उन्होंने हिंदू देवियों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा, विद्या मांगो तो सरस्वती को पटाओ, शक्ति मांगो तो दुर्गा को पटाओ। अगर धन चाहिए तो लक्ष्मी को पटाओ यानी सब महिलाओं को दे दिया गया है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, राकेश पाठक, अनिल सिन्हा और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

अशोक वानखेड़े ने कहा कि नवरात्रि में नौ दिन होते हैं। लोग व्रत रखते हैं। इसी तरह गणपति की भी पूजा होती है। वैज्ञानिक कारण है। मगर भगवान को पटाने की बात मत करो। हम पटाते नहीं, आराधना करते हैं। आहवान किया है भगवान का। सरस्वती ऐसे नहीं पटती, ज्ञान अर्जित करो तो सरस्वती का वास तुम्हारे साथ हो जाएगा। आपके पास ज्ञान है तो इसका मतलब आपको सरस्वती पुत्र कहते हैं अच्छा ज्ञानी। पटाने वाली बात बेहद अपमानजनक है। भाजपा में ऐसे लोग बहुत दिखेंगे।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि अभी ईरान और इमायतउल्ला से तुलना करना जल्दबाजी होगी अगर ये लोग उसी रास्ते पर चलते रहे तो वाह दिन भी आएगा, कब आएगा ये कह पाना मुश्किल है। ये दोहरे चरित्र के लोग हैं। रंगबिरंगे लोग हैं। कब कैसे किस मुद्दे पर पलटी खा जाएं, ये वे लोग हैं। इनकी भाषा चुनिंदा है, बड़ा आहत करती हैं। आपने हिंदुओं की बात की। हममे किसी के पास आरएसएस का प्रमाणपत्र नहीं है। सारी खरीद-फरोख्त की जिम्मेदारी उनके पास है, जिन्हें पता हैं खुद कब आहत होना है। मोदी को भगवान विष्णु का 11वां अवतार भी बताया गया हैं।

अनिल सिन्हा ने कहा कि हिंदू धर्म का विकास हुआ है। ये लोग यानी भाजपा वाले एक तरीके से धर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं। अब उसमें कारपोरेट भी जुड़ गए हैं। बनारस ही एक ऐसा शहर है जो ताकतवर है, जब से हैं, वह हैं। मुस्लिम काल में अकबर का शासन था। हिंदू धर्म का जो कोर हैं, ताकत हैं, कई लोग उसे खत्म करने में लगे हैं, जो देश के लिए बेहद खतरनाक है।

खड़गे जीते तो कांग्रेस में युवाओं को मिलेंगे आधे से ज्यादा पद!

50 साल से कम उम्र के लोगों को मिलेगी संगठन में तरजीह

» समर्पित कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण पदों पर दी जाएगी वरीयता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी प्रतिनिधियों का समर्थन हासिल करने के लिए उदयपुर संकल्प की कई अहम घोषणाओं को लागू कर कांग्रेस में बदलाव लाने का वादा किया है। इस क्रम में कांग्रेस को युवाओं की पार्टी बनाने के लिए उन्होंने संगठन के सभी स्तरों पर 50 फीसदी पद 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों को देने की प्रतिबद्धता जताई है। साथ ही पार्टी में कुछ ही लोगों के लगातार पद पर काबिज रहने की परंपरा खत्म करने का भी वादा किया है और इसके तहत एक व्यक्ति को एक पद पर पांच साल से अधिक रहने का मौका नहीं दिया जाएगा।

खड़गे ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के बीच सीधे संवाद की प्रक्रिया को भी शुरू करने की बात कही है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में खड़गे के मुकाबले उतरे शशि थरूर ने अपना चुनाव अभियान शुरू करते ही अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया था ओर वे इसी पर फोकस रखते हुए धुआंधार तरीके से अपना चुनाव प्रचार कर रहे हैं। खड़गे ने भी अपने अभियान को गति देने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में वोट डालने वाले प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए दो पन्नों का एक पत्र जारी किया। इसमें अपनी राजनीतिक यात्रा, चुनाव से लेकर कांग्रेस की चुनौतियों से जुड़ी बातों का उल्लेख करते हुए खड़गे ने मुख्य रूप से सात चुनावी वादे किए हैं। इसमें संगठन में 50 अंडर 50 का फार्मूला लागू करने के साथ ही एक पद पर पांच साल से अधिक नहीं रहने का वादा पहले नंबर पर है। सभी स्तरों पर पार्टी की मशीनरी को मजबूत करना और संगठन में लंबित नियुक्तियों को तुरंत भरना दूसरी प्राथमिकता होगी। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच संवादहीनता की शिकायतों को खत्म करने की अहमियत खड़गे के पहले तीन वादों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष चुने जाने पर वे सभी स्तरों पर कार्यकर्ताओं से संवाद शुरू करेंगे। महत्वपूर्ण नियुक्तियों में भी कार्यकर्ताओं की भूमिका होगी और समर्पित कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति में वरीयता दी जाएगी। किसानों, असंगठित श्रमिकों, युवाओं, महिलाओं, पिछड़े, छोटे व्यवसायी आदि से संबंधित राजनीतिक, आर्थिक, और सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए प्रदेश व जिला इकाइयां साल में दो बार सत्र बुलाने का कैलेंडर तैयार करेंगी।

डेंगू मरीजों को सीएचसी व पीएचसी पर ही मिले बेहतर इलाज : पाठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि संचारी रोगों से ग्रस्त मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्तर पर ही इलाज की बेहतर सुविधा दी जाए। डेंगू, मलेरिया व चिकनगुनिया आदि रोगों से ग्रस्त मरीजों को अत्यंत आवश्यक होने पर ही उन्हें जिला अस्पताल और फिर मेडिकल कालेज रिफर किया जाए। उन्होंने कहा कि संचारी रोगों से निपटने के लिए विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा।

पाठक ने सभी मंडलीय चिकित्सा अधिकारियों, सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों व अस्पतालों के मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। राजधानी स्थित योजना भवन के कान्फ्रेंस हाल से वह वीसी के जरिए अधिकारियों से जुड़े। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि बदले मौसम व बारिश को देखते हुए अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में पीएचसी स्तर तक उपचार के बेहतर इंतजाम किए जाएं। स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए सरकारी अस्पतालों में 10-10 बेड के विशेष वार्ड बनाए जाएं। स्वाइन फ्लू मरीजों के लिए अलग आइसोलेशन वार्ड बनाया जाए। इस कार्य के लिए स्थानीय प्रशासन व स्वयंसेवी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए। एंबुलेंस सेवा की एंबुलेंस मरीजों के लिए तत्काल उपलब्ध हों।

करवाचौथ की रौनक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महिलाओं का सबसे बड़ा त्यौहार करवाचौथ आज है। त्यौहार की पूर्व संध्या पर बाजारों में चौतरफा रौनक नजर आई। करवाचौथ को लेकर शहर के बाजारों में महिलाओं व युवाओं की भारी भीड़ हैं, सोलह श्रृंगार को पूरा करने वाली दुकानों पर खरीदारी तेजी पर हैं। कपड़ा-जूतों, पूजा सामग्री, मेवों तथा सराफा बाजार में खरीदारी जारी है। घरों में कुछेक महिलाओं व युवतियों ने मेंहदी रचा ली तो कई बाजारों में मेहंदी लगवा रही है।

अखिलेश हुबहू नेताजी जैसा दिख रहे

बिहार के सीएम के साथ बैठे सपा अध्यक्ष की तस्वीर वायरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के संरक्षक और मुलायम सिंह यादव का 10 अक्टूबर दिन सोमवार को निधन हो गया था, जिसके बाद से नेताजी के पैतृक गांव सैफई में लोगों का आना-जाना लगा है। वीवीआईपी से लेकर आमजन तक सैफई पहुंच रहे है।

सपा संरक्षक के अंतिम संस्कार के बाद भी यह सिलसिला जारी है। इसी बीच सैफई से निकलकर एक फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है, जिसमें सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अपने चाचा रामगोपाल के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। इस फोटो को देखकर लोग प्रतिक्रिया स्वरूप कह रहे हैं कि ऐसा लग रहा है कि नेताजी खुद बैठे हैं। सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने भी ट्विटर पर फोटो साझा की है। जिस पर यूजर्स तरह-तरह के कॉमेंट कर रहे हैं। इनमें से एक ने लिखा पहली नजर में देखने पर कोई भी भ्रमित हो सकता है। अखिलेश यादव हुबहू, नेता जी मुलायम सिंह यादव की प्रतिमूर्ति की तरह लग रहे हैं। वहीं एक यूजर ने लिखा, कल जो थे मुलायम, वही आज अखिलेश हैं।

पुजारी की पत्नी की पीट-पीटकर हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या के पूराकलंदर के नंदीग्राम भरतकुंड स्थित प्राचीन भरत मंदिर के पुजारी की पत्नी की पीट-पीट कर हत्या कर दी गयी। आरोपी ने हत्या कर कर शव को ताले के अंदर बंद कर दिया था। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को संरक्षण में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सूचना मिलने पर मंदिर पहुंचे एसपी सिटी मधुबन सिंह ने पुजारी को आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही का आश्वासन देते हुए घटनास्थल की पड़ताल की। पुलिस के अनुसार भरतकुंड स्थित मंदिर के पुजारी हनुमान दास की 64 वर्षीय पत्नी यशोदा से कल्याण भदरसा बररोइया निवासी पवन पांडेय की पत्नी करवा चौथ के लिए कुछ सामग्री मांगने गयी थी, लेकिन यशोदा के पूजा पाठ में व्यस्त होने की वजह से सामान नही दे सकी। पूजा करने के बाद यशोदा सामग्री लेकर पवन के घर पहुंची तो किसी बात को लेकर नाराज पवन ने दरवाजा बंद कर लोहे की राड से यशोदा के सिर पर ताबड़तोड़ कई प्रहार कर दिये, जिससे सिर के चिथड़े उड़ गए और मौके पर ही महिला की मौत हो गयी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।